राधे तेरे चरणों की गर ....

राधे तेरे चरणों की गर धूल जो मिल जाये
सच कहता हूँ मेरी, तकदीर बदल जाये
राधे .....

ये मन बड़ा चंचल है कैसे तेरा भजन करूँ –2
जितना इसे समझाऊँ उतना ही मचल जाये
राधे .....

सुनते हैं तेरी रहमत, दिन रात बरसती है – 2
एक बूँद जो मिल जाये, मन की कली खिल जाये
राधे .....

नज़रों से गिराना ना चाहे, जितनी सजा देना – 2
नज़रों से जो गिर जाये, मुश्किल ही संभल पाये
राधे .....

राधे इस जीवन की, बस एक तमन्ना है – 2
तुम सामने हो मेरे, मेरा दम ही निकल जाये
राधे .....

परोपकार जो नित करे, वह सज्जन कहलाय।
सबको जो शुभ चिंतन करे वह सर्वत्र पुजाय।।